दक्षता आधारित कार्य-पत्रक

विषय: हिन्दी **कक्षा : नवीं**

पाठ/प्रकरण का नाम : उपभोक्तावाद की संस्कृति	**समयावधि :** 40 मिनट
विद्यार्थी का नाम : ----------	**पूर्णांक :** 20
अनुक्रमांक (रोल नं.) :	**दिनांक :** 24./.8./.....

निर्देश:- 1. **सभी प्रश्न अनिवार्य है| 2. कार्य-पत्रक में दिए गए स्थान पर ही उत्तर लिखें|**
3. लेखन कार्य की स्पष्टता एवं शुद्धता का विशेष ध्यान रखें|

	(गद्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
	निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।	5
1.	सामंती संस्कृति के तत्त्व भारत में पहले भी रहे हैं। उपभोक्तावाद इस संस्कृति से जुड़ा रहा है। आज सामंत बदल गये हैं, सामंती संस्कृति का मुहावरा बदल गया है। हम सांस्कृतिक अस्मिता की बात कितनी ही करें, परंपराओं का अवमूल्यन हुआ है, आस्थाओं का क्षरण हआ है। कड़वा सच तो यह है कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं। पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। हमारी नयी संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है। हम आधुनिकता के झूठे प्रतिमान अपनाते जा रहे हैं। प्रतिष्ठा की अंधी प्रतिस्पर्धा में जो अपना है, उत्ते खोकर छद्म आधुनिकता की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। संस्कृति की नियंत्रण शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं। हमारा समाज ही अन्य निर्देशित होता जा रहा है। विज्ञापन और प्रसार के सूक्ष्म तंत्र हमारी मानसिकता बदल रहे हैं। उनमें सम्मोहन की शक्ति है, वशीकरण की भी। धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नयी जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन-दर्शन-उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए है; आपके भोग के लिए है, आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में। उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।	1
	उचित विकल्प का चयन कीजिए –	
1.	उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए -	
	(क)उपभोक्तावाद की संस्कृति	
	(ख) हमारी नयी संस्कृति अनुकरण की संस्कृति है।	
	(ग) मानवीय जीवन शैली	
	(घ) चारित्रिक विकास	
2.	अधिकतर भारतीय लोग अब भारतीय संस्कृति को त्यागकर पश्चिमी संस्कृति का अनुकरण कर रहे हैं, इस कथन आशय है-	1

	(क)वे पश्चिमी देशों में जाकर रहने लगे हैं	
	(ख) वे अपनी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता से बिछड़ते जा रहे हैं	
	(ग) उन्होंने सभ्यता एवं संस्कृति के अंतर को नहीं समझा है	
	(घ)भारतीय लोगों पर पाश्चात्य देशों का प्रभाव होता जा रहा है	
	I. केवल (क)सही है	
	II. (क),(ख) दोनों सही है	
	III. केवल (घ) सही है	
	IV. (ख) और (घ) दोनों सही है	
3.	मनुष्य सम्मोहन का शिकार किसके द्वारा हो रहा है-	1
	(क)विज्ञापन एवं बाजार द्वारा	
	(ख)बढती प्रतिस्पर्धा को देखकर	
	(ग) मानसिक गुलामी के कारण	
	(घ) उपर्युक्त सभी	
4.	कथन -A -आधुनिक समय में उत्पाद मनुष्य का गुलाम बन गया है कारण R- कंपनियों का विशेष विज्ञापन भी मनुष्य को आकर्षित करता है	1
	(क) कथन A और R दोनो सही हैं (ख) कथन A सही और R गलत है (ग) कथन A गलत और R सही है (घ) कथन A और R दोनो सही हैं	
5.	निम्न में से किस कथन का सम्बन्ध गद्यांश से नहीं है-	1
	(क)सुख की व्याख्या भोग विलास से है	
	(ख)सांस्कृतिक अस्मिता से पुरानी परंपराओं में गिरावट आई है	
	(ग)विज्ञापन और प्रसार की प्रक्रिया से हमारी मानसिकता बदल रही है	
	(घ)हमारा जीवन दर्शन भौतिकवादी है	
	(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	सामंती संस्कृति एवं उपभोक्ताओं में क्या संबंधहै?	1
	(क)उपभोक्तावाद के बिना सामंती संस्कृति टिक नहीं पाती।	
	ख)सामंती संस्कृति और उपभोक्तावाद में विशेष अंतर है	
	(ग)सामंती संस्कृति और उपभोक्तावाद में कोई अंतर नहीं है	
	(घ)उपभोक्तावाद ने सामंती संस्कृति को जन्म दिया है	
7.	उपभोक्तावादी संस्कृति के दुष्परिणाम से बचनेक्या -क्या के उपाय हैं -	1
	(क)आधुनिक बनने के चक्कर में पश्चिमी संस्कृति का अंधानुकरण नहीं करना	

egyanarchive

	चाहिए।	
	(ख) दिखावे की प्रवृत्ति से बचना चाहिए।	
	(ग) आवश्यकतानुसार एवं गुणवत्ता को ध्यान में रखकर वस्तुएँ खरीदनी चाहिए।	
	(घ) उपर्युक्त सभी	
8.	उपभोक्तावादी संस्कृति का कौनसा खतरा नहीं है -	1
	(क)यह संस्कृतिहमारे सामाजिक जीवन की नींव कमजोर करती है	
	(ख)इस संस्कृति के कारण हमारा बौद्धिक एवं सामाजिक विकास बढ़ रहा है	
	(ग)इस संस्कृति के कारण हम पश्चिमी देशों के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं,	
	(घ)यह संस्कृति हमारे समाज के लिए चुनौती बन गई है।1	
9.	उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के अनुसार लेखक किस ओर ध्यान दिला रहे हैं?	
	(क)उपभोक्तावाद की संस्कृति हमारे लिए खतरनाक है।	
	(ख)उपभोक्तावाद की संस्कृति के सुखद परिणाम।	
	(ग)विदेशी संस्कृति का अस्वीकार।	
	(घ) इनमें से कोई नहीं	
10.	उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के अनुसार लोगों की दृष्टि में सुख क्या है ?	
	I. उपभोक्तावाद ही सुख है।	
	II. प्रभु भक्ति में ही सुख है।	
	III. संयमित जीवन ही सुख है।	
	IV.. मस्त रहना ही सुख है।	
	(क)केवल I सही है	
	(ख) केवल IV सही है	
	(ग) III और IV सही है	
	(घ) I,II औरIV सही है	
	(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	प्रतिष्ठा के अनेक रूप होते हैं, चाहे वे हास्यास्पद ही क्यों न हो- उपभोक्तावाद की संस्कृति पाठ के आधार पर सपष्ट कीजिए |	2
	उत्तर:- --	

egyanarchive

12.	आप प्रतिदिन टी.वी. पर ढेरों विज्ञापन देखते-सुनते हैं और इनमें से कुछ आपकी ज़बान पर चढ़ जाते हैं। आप अपनी पसंद की किसी एक वस्तु विज्ञापन तैयार कीजिए।	2
	उत्तर:- ----------	
13.	गांधी जी ने उपभोक्ता संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है?	2
	उत्तर:- ----------	
14	पाठ के आधार पर आज के उपभोक्तावादी युग में पनप रही "दिखावे की संस्कृति पर विचार व्यक्त कीजिए।	
	उत्तर:- ----------	
15.	कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी हो, न हो लेकिन टी. वी. पर विज्ञापन देखकर हम उसे खरीदने के लिए अवश्य लालायित होते हैं, क्यों?	2
	उत्तर:- ----------	

egyanarchive

उत्तरमाला

प्रश्न	दक्षता/उद्देश्य	उत्तर	
		(गद्यांश/काव्यांश आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
1.	स्मरण	उत्तर:- (क)उपभोक्तावाद की संस्कृति	1
2.	अनुप्रयोग	उत्तर:- IV. (ख) और (घ) दोनों सही है	1
3.	समझना	उत्तर:- (घ) उपर्युक्त सभी	1
4.	समझना	(ग) कथन A गलत और R सही है	1
5.	स्मरण	(घ)हमारा जीवन दर्शन भौतिकवादी है	1
		(पाठ आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न)	
6.	समझना	उत्तर:- (ग)सामंती संस्कृति और उपभोक्तावाद में कोई अंतर नहीं है	1
7.	समझना	उत्तर:- (घ) उपर्युक्त सभी	1
8.	अनुप्रयोग	उत्तर:- (ख) इस संस्कृति के कारण हमारा बौद्धिक एवं सामाजिक विकास बढ़ रहा है	1
9.	स्मरण	उत्तर:- (क)उपभोक्तावाद की संस्कृति हमारे लिए खतरनाक है।	1
10.	विश्लेषण	उत्तर:-(क) केवल I सही है	1
		(वर्णनात्मक प्रश्न)	
11.	सर्जनात्मक लेखन	उत्तर:- लोग समाज में प्रतिष्ठा दिखाने के लिए तरह-तरह के तौर तरीके अपनाते हैं। उनमें कुछ अनुकरणीय होते हैं तो कुछ उपहास का कारण बन जाते हैं। पश्चिमी देशों में लोग अपने अंतिम संस्कार अंतिम विश्राम हेतु-अधिक-से-अधिक मूल्य देखकर सुंदर जगह सुनिश्चित करने लगे हैं। उनका ऐसा करना नितांत हास्यास्पद है।	2
12.	कौशल विकास	उत्तर:- **नमकीन का विज्ञापन** श्रीमती लीजिए आप भी खाइए कुरकुरी नमकीन !! श्रीमान कुरकुरी . श्रीमती कुरकुरी नहीं, करारी भी श्रीमान बस कुरकुरी और करारी ? श्रीमती अंजी खाइए तो यह स्वादिष्ट भी है। श्रीमान अरे । तुम क्या खिलाओगी में तुम्हें खिलाता हूँ ऐसी नमकीन - जो कुरकुरी भी है, करारी भी है, स्वादिष्ट भी है और चटपटी भी और नाम भी है उसका खटमिठी । श्रीमती खटमिठी। यही तो में खिला रही थी- खटमिठी नमकीन । दोनों - आप भी खाइए खटमिठी नमकीन	2
13.	विश्लेषण	उत्तर:-गांधीजी शादी जीवन और उच्च विचारों के कायल थे। वे चाहते थे कि लोग नैतिकता और मर्यादाओं में रहकर जीवन व्यतीत करें। लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति इसके विपरीत चलती है। यह उपभोग को बढ़ावा देती है जिससे मनुष्य की इच्छाएं बढ़ती जाती है। इसलिए सामाजिक दृष्टिकोण से यह एक बड़ा खतरा।	2
14.	कौशल विकास	उत्तर:-आज के उपभोक्तावादी युग में दिखावे की संस्कृति ने हमें और हमारे समाज को बहुत क्षति पहुंचाई है। आज बाजार सामान से भरे पड़े हैं आपको एक ही समान के विभिन्न प्रकार उपलब्ध हो जाएंगे। जिसकी आपको काफी कीमत भी चुकानी पड़ेगी। पहले लोग त्योहारों को खुशी से मनाते थे लेकिन आज इसी कीमत की बोझ ने लोगों के त्योहारों के प्रति रुचि को कम कर दिया है।	2
15.	विश्लेषण	उत्तर:- आज का समय विज्ञापन का है। वस्तुएँ बाजार में बाद में आती हैं, उनका विज्ञापन पहले से ही होने लगता है। विज्ञापन भी इतने आकर्षक ढंग के होते हैं कि वस्तु के बाजार में आते ही उसकी बिक्री जोरों से शुरू जो जाती है। लोगों को उस वस्तु की आवश्यकता हो या न हो, उसका कोई उपयोग हमारे यहाँ हो सकता है या नहीं हो सकता है किन्तु हम उसकी ओर आकर्षित होते हैं, उसे खरीदना चाहते हैं।	2